हिन्दी साप्ताहिक

न्यूज आइकॉन

T.C. NO. MAHHIN10172

संपादक - मुर्तुजा मामाजीवाला | ईमेल: newsicon2021@gmail.com | मूल्य: रु. - 2/-

वर्ष: 1 | अंक: 12 | पृष्ठ: 8 | शुक्रवार 02 अप्रैल से 08 अप्रैल 2021

हे प्रभु !

कोई भी काम करने के लिए जिस शक्ति की जरुरत होती है, वो है विश्वास. इससे बड़ी कोई शक्ति नहीं होती.

- अज्ञात

अनमोल विचार

जब तक हम खुद पर विश्वास नहीं करते तब तक भगवान पर भरोसा करना भी मुश्किल है.

- अज्ञात

नजरिया

अगला ये विचार बेहतरीन हैं की अपने प्राण देकर भी अपने दोस्त का जीवन बचा लेना

-संपादक

पश्चिम बंगाल और असम के विधानसभा चुनाव

दिनभर नंदीग्राम के संग्राम में डटी रहेंगी ममता, 37% के पार पहुंचा मतदान

नई दिल्ली:पश्चिम बंगाल और असम के विधानसभा चुनाव के दूसरे राउंड में भी बड़ी संख्या में लोग मतदान के लिए निकल रहे हैं। चुनाव आयोग के मुताबिक, अब तक पश्चिम बंगाल में 37 फीसदी मतदान हुआ है। वहीं असम में अब तक करीब 25 फीसदी वोटिंग हुई है। इससे साफ है कि दिन के अंत तक पश्चिम बंगाल में मतदान का प्रतिशत एक नया रिकॉर्ड भी बना सकता है। पश्चिम बंगाल में हमेशा से देश भर से ज्यादा वोटिंग प्रतिशत रहने का इतिहास रहा है। नंदीग्राम का महासंग्राम ममता बनर्जी के लिए कितना अहम है, इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि ममता बनर्जी आज दिन भर यहां वॉर रूम

में रहेंगी। पश्चिम बंगाल में दूसरे चरण की 30 सीटों पर 19 महिलाओं सहित 171 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं। वहीं, असम में दूसरे चरण की 39 सीटों पर 26 महिलाओं सहित 345 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। बंगाल में जहां टीएमसी की सीधी लड़ाई भाजपा से है, तो असम में भाजपा को अपनी सरकार को बचाए रखने की चुनौती है। सभी राजनीतिक दलों ने चुनाव प्रचार के दौरान अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। बंगाल में इस चरण में सबकी नजरें हाई प्रोफाइल नंदीग्राम सीट पर टिकी हैं, जहां मुख्यमंत्री ममता बनर्जी अपने पूर्व सहयोगी एवं भाजपा प्रत्याशी शुभेंदु अधिकारी के खिलाफ मैदान में हैं। पश्चिम बंगाल में दूसरे चरण के लिए जारी मतदान के बीच वोटिंग प्रतिशत अब तक संतोषजनक आए हैं। अब तक करीब 37 फीसदी वोट पड़ चुके हैं और बूथ के बाहर वोटरों की लंबी कतार देखने को मिल रही है। बंगाल चुनाव की सबसे हाई-प्रोफाइल सीट नंदीग्राम में कांटे की टक्कर दिख रही है। इस बात अंदाजा आप इसी बात से लगा सकते हैं कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आज की रैलियों को रद्द कर रेयापारा क्षेत्र में बने अपने वॉर रूम में कैंप करने का फैसला किया है। आज ममता बनर्जी कोई रैली नहीं कर रही हैं और आज वॉर रूम से ही नदींग्राम पर नजर रखी हुई हैं

आखिर क्यों धरना-प्रदर्शन में शामिल होने के लिए मजबूर हैं पंजाब के किसान

नई दिल्ली। 4 महीने से भी अधिक समय से दिल्ली-हरियाणा के सिंघु बॉर्डर पर तीनों कृषि कानूनों के विरोध में धरना प्रदर्शन जारी है। इस बीच सिंघु बॉर्डर पर दिल्ली की सीमा में अब कृषि कानून विरोधी प्रदर्शनकारियों की संख्या में थोड़ी बढ़ोतरी हुई है। सिंघु बॉर्डर-नरेला रोड पर ट्रैक्टरों की संख्या में भी इजाफा हुआ है। यहां पर प्रदर्शनकारियों की संख्या में इजाफा होने के पीछे नया ट्ववीस्ट आ गया है। दरअसल, कुछ लोग यहां पर होला मोहल्ला मनाने आएं हैं तो कुछ कथित तौर पर ड्यूटी करने। वहीं, पंजाब के कुछ किसान जमार्ने के डर से भी आ रहे हैं। इसके चलते यहां पर प्रदर्शनकारियों की संख्या में इजाफा हुआ है। बता दें कि पंजाब के गांवों के प्रधानों ने एक फरमान जारी कर रखा है।

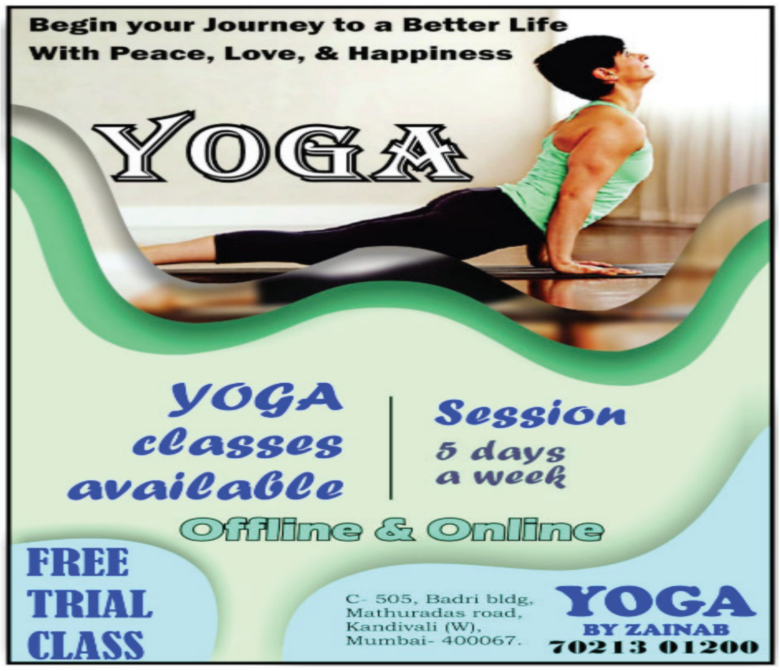

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को फोन

पूछा...पत्नी रश्मि ठाकरे की तबियत का हालचाल

मुंबई: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार के दिन महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को फोन कर उनकी पत्नी रश्मि ठाकरे की तबीयत का हालचाल पूछने की खबर सामने आई है। ठाकरे की पत्नी रश्मि कोरोना पॉजिटिव हैं और फिलहाल रिलायंस अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती हैं। मोदी ने रश्मि ठाकरे की अच्छी सेहत के लिए शुभकामनाएं भी दीं।

रश्मि ठाकरे को 23 मार्च के दिन कोरोना पॉजिटिव पाया गया था। मुख्यमंत्री के सरकारी निवास स्थान वर्षा पर उन्होंने खुद को क्वारंटाइन किया हुआ था। दो दिन पहले रश्मि ठाकरे को रिलायंस अस्पताल में भर्ती किया गया था। खास बात यह है कि 11 मार्च के दिन रश्मि ठाकरे ने कोरोना की पहली डोज ली थी।

विधानसभा चुनाव के बाद शिवसेना ने छोड़ी एनडीए

2019 के विधानसभा चुनाव के बाद शिवसेना ने एनडीए का दामन छोड़कर बीजेपी से दूरी बना ली थी। जिसके बाद से ही दोनों पक्षों के बीच में जबरदस्त वाद-विवाद आए दिन देखने को मिलता है। राज्य में बीजेपी के नेता ठाकरे सरकार की एक एक गलती को ढूंढ कर जनता के बीच लाने का एक मौका नहीं छोड़ते। सचिन वझे मामला और परमबीर सिंह का लेटर बम इसका ताजा उदाहरण है। बीजेपी नेताओं ने महाराष्ट्र में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग की थी। ऐसी स्थिति में पीएम का फोन आना कई लोगों के लिए आश्चर्य की बात है। राज्य के पर्यावरण मंत्री आदित्य ठाकरे भी कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं।

महाराष्ट्र की हालत खराब, कोरोना की डरावनी रफ्तार;

3 दिन में 1 लाख नए केस सामने आए

मुंबई: कोरोना से सबसे ज्यादा प्रभावित राज्य महाराष्ट्र में संक्रमण की रफ्तार काफी तेजी से बढ़ रही है। यहां महज 3 दिन में मरीजों की संख्या 27 से 28 लाख हो गई। यानी 72 घंटे में 1 लाख मरीज बढ़ गए। एक घंटे का औसत निकाला जाए तो महाराष्ट्र में हर घंटे 1388 मरीज मिल रहे हैं। आंध्र प्रदेश, यूपी, राजस्थान और पश्चिम बंगाल जैसे बड़े राज्यों में एक दिन में मिल रहे मरीजों की संख्या इससे कम है। हेल्थ डिपार्टमेंट के अधिकारियों के मुताबिक, प्रदेश में बुधवार को 39,544 लोगों में कोरोना की पुष्टि हुई। यह एक दिन में मिले मरीजों की दूसरी सबसे बड़ी संख्या है। 28 मार्च को 41,404 केस मिले थे। पिछले 24 घंटों में 227 लोगों ने दम तोड़ दिया। यह लगातार सातवां दिन था, जब 100 से ज्यादा लोगों की मौत हुई।राज्य में अब तक कुल 28,12,980 लोग पॉजिटिव हो चुके हैं।

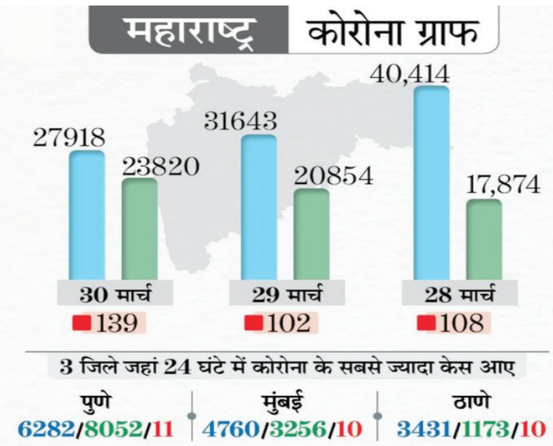

54,649 मौतें हुई हैं। ये दोनों ही आंकड़े भारत में सबसे ज्यादा है। मुंबई, पुणे, नासिक और नागपुर में सबसे ज्यादा केस निकल रहे हैं। यहीं सबसे ज्यादा मौतें भी हो रही हैं। इनके बाद औरंगाबाद, कोल्हापुर और लातूर आते हैं। लगातार बिगड़ रहे हालात की वजह से सरकार लॉकडाउन लगाने पर विचार कर रही है। उद्धव सरकार ने RT-PCR टेस्ट के रेट तय किए इस बीच सरकार ने RT-PCR टेस्ट के रेट तय कर दिए हैं। कलेक्शन सेंटर पर टेस्ट कराने पर अब 500 रुपए देने होंगे। कोविड सेंटर, क्वारैंटाइन सेंटर और आइसोलेशन सेंटर पर इसके लिए 600 और घर पर टेस्ट कराने के 800 रुपए से ज्यादा नहीं लिए जा सकेंगे। देश में 64 हजार से ज्यादा नए केसदेश में बुधवार को 64,108 नए केस आए। 37 हजार से ज्यादा मरीज ठीक हुए और 403 की मौत हो गई। देश में अब तक करीब 1.22 करोड़ लोग इस महामारी की चपेट में आ चुके हैं।

करीब 1.14 करोड़ ठीक हो चुके हैं। 1.62 लाख ने जान गंवाई है, 5.75 लाख का इलाज चल रहा है। ये आंकड़े ड्ढ्र19ल्र्ल्. ड्ढ१ॅ से लिए गए हैं। दिल्ली में जनसंख्या के हिसाब से 45 साल से ज्यादा उम्र के कुल 65 लाख लोग हैं, जिसमें 60 साल से ज्यादा उम्र के 20 लाख लोग शामिल हैं। गुरुवार से वैक्सीनेशन को बड़े स्तर पर शुरू किया जा रहा है। दिल्ली में वैक्सीनेशन के 500 सेंटर चल रहे हैं।

जिन राज्यों में कोरोना के मामले लगातार बढ़ रहे हैं, वहां से दिल्ली आने वाले यात्रियों की रैंडम टेस्टिंग की जाएगी। इस दौरान सभी एयरपोर्ट, रेलवे स्टेशन और इंटर-स्टेट बस टर्मिनस (ISBT) में रैंडम टेस्टिंग की जाएगी यहां बुधवार को 39,544 नए मरीज मिले। इससे पहले 2 दिन से लगातार नए केस घट रहे थे।

शिवसेना ने संजय राउत के साथ अरविंद सावंत को भी बनाया पार्टी का मुख्य प्रवक्ता

मुंबई: महाराष्ट्र में शिवसेना ने सांसद अरविंद सावंत को पार्टी का मुख्य प्रवक्ता बनाया है। माना जा रहा है अनिल देशमुख को एक्सीडेंटल गृह मंत्री कहने से पार्टी संजय राउत से नाराज है। इस वजह से उनके पर कतरने की कवायद शुरू की गई है। अरविंद सावंत को यह जिम्मेदारी संजय राउत के समकक्ष मिली है। सावंत पहले भी पार्टी के प्रवक्ता रह चुके हैं। शिवसेना ने बुधवार को अपने मुख्य पत्र सामना में अपने प्रवक्ताओं की सूची प्रकाशित की है। संजय राउत को गत वर्ष पार्टी का मुख्य प्रवक्ता बनाया गया था। गत दिनों देशमुख के खिलाफ की गई राउत की टिप्पणी पार्टी के कई नेताओं को नागवर गुजरी है। महाराष्ट्र में अमरावती से सांसद नवनीत रवि राणा ने लोकसभा अध्यक्ष को पत्र लिखकर आरोप लगाया था कि शिवसेना सांसद अरविंद सावंत ने उन्हें धमकी देते हुए कहा कि तू महाराष्ट्र में कैसे घूमती है मैं देखता हूं और तेरे को भी जेल में डालूंगा। नवनीत ने बताया कि सचिन वझे को मामले को उठाने के बाद मुझे इस तरह की धमकी दी गई है।

शिवसेना-बीजेपी के रिश्तों में और चौड़ी हुई दरार, बालासाहेब ठाकरे स्मारक भूमिपूजन में फडणवीस और राज ठाकरे को नहीं आमंत्रित

मुंबई: बालासाहेब ठाकरे राष्ट्रीय स्मारक के भूमि पूजन कार्यक्रम में कोरोना के बहाने शिवसेना ने बीजेपी को आमंत्रित न करके रिश्तों में लगातार चौड़ी हो रही दरार की मुनादी कर दी है। इतना ही नहीं राज ठाकरे को भी भूमि पूजन में आने का न्योता नहीं दिया गया। अलबत्ता शिवसेना के साथ सरकार में शामिल एनसीपी के अजीत पवार और कांग्रेस के बालासाहेब थोरात मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के साथ पूरे समय कार्यक्रम में मौजूद रहे। सत्ता में भागीदारी के मुद्दे पर शिवसेना बीजेपी के टूटे रिश्तो में दिन पर दिन और खटास आती जा रही है। न सिर्फ फडणवीस, बल्कि उनके आसपास के तमाम नेता सीधे ठाकरे परिवार को अपना निशाना बना रहे हैं। पहले सुशांत सिंह राजपूत की आत्महत्या के मामले में और फिर सचिन वाझे प्रकरण में बीजेपी ने खासकर फडणवीस ने सीधे उद्धव ठाकरे पर आरोप लगाए हैं। इसके बाद से उद्धव ठाकरे ने देवेंद्र फडणवीस को पूरी तरह इग्नोर करना शुरू कर दिया है।बालासाहेब ठाकरे राष्ट्रीय स्मारक के भूमि पूजन में कार्यक्रम में फडणवीस को आमंत्रित न करने के पीछे यह भी एक कारण बताया जा रहा है। वहीं कुछ जानकार लोगों का यह भी कहना है कि जब देवेंद्र फडणवीस मुख्यमंत्री थे, तब छत्रपति शिवाजी महाराज स्मारक के भूमि पूजन कार्यक्रम में उन्होंने उद्धव ठाकरे को आमंत्रित नहीं किया था.

9 लाख में 2 लाख परमबीर सिंह का कमिसन होता था, खुफिया कैमरे पर बार मैनेजर का खुलासा,

मुंबई: एक चिट्ठी ने 20 मार्च 2021 को पूरे देश में सनसनी फैला दी. चिट्ठी लिखने वाले थे मुंबई के पूर्व पुलिस कमिश्नर परमबीर सिंह और इन्होंने कठघरे में खड़ा किया महाराष्ट्र केगृहमंत्री अनिल देशमुख को. चिट्ठी में अनिल देशमुख पर आरोप लगाया गया कि उन्होंने पुलिस को हर महीने डांस बार और पब से 100 करोड़ रूपए की वसूली का टारगेट दिया था. इस आरोप के बाद महाराष्ट्र की सियासत में भूचाल आ गया. मुंबई पुलिस में खलबली मच गई. लोग सवाल करने लगे कि क्या वाकई मुंबई पुलिस हर महीने 100 करोड़ रुपए की वसूली करती है. क्या API सचिन वाजे वसूली गैंग का लीडर है. इन्हीं आरोपों और सवालों का सच जानने के लिए टीवी9 भारतवर्ष ने ऑपरेशन 100 करोड़ का आगाज किया. हमारे अंडरकवर रिपोर्टर्स उसी दिन से ऑपरेशन ह्व100 करोड़ के मिशन में जुट गए थे, जिस दिन मुंबई पुलिस के पूर्व कमिश्नर परमबीर सिंह के लीक हुए लेटर में 100 करोड़ रुपए की वसूली का सनसनीखेज आरोप महाराष्ट्र के गृहमंत्री पर लगाया गया. सुलगते आरोपों की आंच देश की राजधानी दिल्ली तक भी पहुंची और इसी के साथ टीवी9 भारतवर्ष की स्पेशल इंवेस्टिगेशन टीम मुंबई के लिए रवाना हो गई. ऑपरेशन ह्व100 करोड़ह्ल का ताना-बाना बहुत सावधानी के साथ बुना गया. टीवी-9 भारतवर्ष की टीम अपने खुफिया कैमरे के साथ मुंबई के हर उस इलाके में पहुंची, हर उस डांस बार और पब में दाखिल हुई. जो अपनी नाइट लाइफ के लिए मशहूर हैं. जो पुलिस की कमाई का जरिया हैस्टिंग ऑपरेशन के दौरान हमारा एक ही टारगेट था, 100 करोड़ की वसूली के आरोप की तह तक जाकर पता लगाना कि पुलिस कैसे अवैध वसूली रैकेट चलाती है, और यकीन मानिए जैसे ही हमारी पड़ताल आगे बढ़ी, ऐसा खुलासा हुआ कि हम सन्न रह गए

मैनेजर ने किया चौंकाने वाला खुलासा

रूबी बार के मैनेजर ने बताया, टोटल हम लोगों का 9 लाख का हिसाब आ रहा था. मतलब सीपी का 2 लाख छोड़ो, 7 बोलो तो उसमें सब आ गया बीट वालों का, खबरी लोगों का और दूसरा एक्साइज का और एसएस ब्रांच फिलहाल बंद है. फिर अभी और कम हो जाएगा. 7 के हिसाब में नाइट चार्ज भी आ गया. पीआई को 5 हजार, बीट ऑफिसर को 2 हजार, दूसरे स्टाफ को 2, उसके बाद 8-9 हजार जाता है. वो सब मिला के हम लोगों को 7 लाख औसत हो गया. 7 में भी जैसे अब एसएस ब्रांच का बंद हो गया तो एवरेज 5 का भी आ जाएगा. फिर भी आप 6 मान के चलो. सीपी ने 2

-2 लाख लिया.

यह पूछने पर कि सीपी कौन तो बार मैनेजर ने कहा, ह्वहां परमबीर सर की बात कर रहा हूं, वो सब बड़ा मुद्दा हो गया, परसों बड़ा लफड़ा हो गया ना, उसने सीधा बोल दिया मेरे को देशमुख साहब ने बोला कि 100 करोड़ चाहिए. ये बड़ा मामला हो गया.ह्व बार मैनेजर का दावा है कि परमबीर सिंह यानी मुंबई के पूर्व पुलिस कमिश्नर के लिए हर महीने 2 लाख रूपए जाते थे. एक बार मालिक ने बताया कि हर महीने छह लाख रुपये पुलिस पर खर्च होते हैं.

क्या मनसुख के कत्ल से पहले खेला गया शतरंज का खेल

सिपाही ने कत्ल के दिन फेसबुक पर डाली पोस्ट

मुंबई: एंटीलिया जिलेटिन केस में 25 फरवरी को मुकेश अंबानी के घर के बाहर रात 2 बजकर 18 मिनट पर एक स्कॉर्पियो गाड़ी खड़ी की गई थी। वह स्कॉर्पियो कार डेकोरेटर हिरेन मनसुख की थी। मनसुख का 4 मार्च को कत्ल कर दिया गया था। इस मर्डर केस में एनकाउंटर स्पेशलिस्ट सचिन वझे के अलावा क्रिकेट बुकी नरेश गोर और पुलिस सिपाही विनायक शिंदे को भी आरोपी बनाया गया है।

तीनों इन दिनों एनआईए की कस्टडी में हैं। खास बात यह है कि जिस 4 मार्च को हिरेन मनसुख का कत्ल हुआ, ठीक उसी दिन कातिलों में से एक सिपाही विनायक शिंदे ने फेसबुक पर एक पोस्ट डाली। इसमें लिखा-ह्वमुझे शतरंज पसंद है, क्योंकि इसका एक नियम बहुत अच्छा है। चाल कोई भी चले, पर अपने अपनों को नहीं मारते। लेकिन हुआ उलटा। **एफबी पोस्ट...**

जांच को डायवर्ट करने का हथकंडा?

यह पोस्ट कत्ल के दिन ही कातिल द्वारा क्यों डाली गई? समझ से परे है। क्या विनायक शिंदे ने जांच एजेंसियों का ध्यान डायवर्ट करने के लिए ऐसा किया था? वह खुद पुलिस वाला रहा है, इसलिए जांच को डायवर्ट करने का हर हथकंडे जानता ही होगा। खास बात यह है कि विनायक शिंदे को 21 मार्च को मनसुख कत्ल में गिरफ्तार किया गया और उसके ठीक एक दिन पहले उसने फेसबुक पर एक और पोस्ट का लिंक अपनी तरफ से शॉकिंगलिखकर शेयर किया। कत्ल के दौरान सोशल मीडिया पर था ऐक्टिव कत्ल के दौरान और कत्ल के बाद के दिनों में वह सोशल मीडिया पर कुछ इस तरह ऐक्टिव रहा कि जैसे वह हिरेन मनसुख, सचिन वाझे के बारे में कुछ नहीं जानता हो, जबकि जो नई जानकारियां सामने आ रही हैं, उनके मुताबिक, कत्ल के एक दिन पहले 3 मार्च को क्राइम इंटेलिजेंस यूनिट यानी सीआईयू, जिसके सचिन वझे प्रभारी थे, वहां हिरेन मनसुख के साथ सचिन वझे और विनायक शिंदे दोनों मौजूद थे। साथ ही क्राइम ब्रांच के कुछ और अधिकारी भी। मनसुख नहीं माने तो रची गई हत्या की साजिश इस मुलाकात में हिरेन मनसुख को बहुत कनविंस किया गया कि वह मुकेश अंबानी के घर के बाहर जिलेटिन प्लांट करने की जिम्मेदारी ले लें और गिरफ्तार हो जाएं, बाद में उन्हें जमानत से बाहर निकालने में वझे और उनकी टोली बहुत मदद करेगी। लेकिन मनसुख ने जब मना कर दिया, तो उनकी हत्या की साजिश रची गई।4 मार्च की रात मनसुख की हत्यागुजरात के एक क्रिकेट बुकी नरेश गोर के सचिन वझे को दिए सिम कार्ड से मनसुख को 4 मार्च को रात में तावड़े के नाम से कॉल किया गया और फिर उसे ठाणे के घोडबंदर इलाके में बुलाकर उसका कत्ल कर दिया गया। उसके बाद सचिन वझे वहां से करीब 40 किलोमीटर दूर मुंबई पुलिस मुख्यालय आया और फिर डोंगरी के एक बार में रेड डालने चला गया, जबकि उसी दौरान विनायक शिंदे ने फेसबुक पर अपने अपनों को नहीं मारने वाली पोस्ट डाल दी।

महाराष्ट्र में कोरोना के करीब 40 हजार केस, अक्टूबर के बाद सबसे

ज्यादा 227 लोगों की मौत

मुंबई: महाराष्ट्र में कोरोना वायरस का संक्रमण कहर मचाने लगा है। राज्य में बुधवार को कोरोना के 39,544 नए मामले सामने आए, जो महामारी की शुरूआत के बाद से एक दिन का दूसरा सबसे अधिक मामला है। इसके साथ ही प्रदेश में कुल संक्रमितों की संख्या बढ़कर 28 लाख 12 हजार 980 हो गई है। वहीं राज्य में कोरोना महामारी की वजह से 227 लोगों ने दम तोड़ दिया। महाराष्ट्र में पिछले केवल 72 घंटों में 1 लाख से अधिक नए संक्रमण के मामले सामने आ चुके हैं।

स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी ने बताया कि इससे तीन दिन पहले (28 मार्च) प्रदेश में कोविड-19 के

40,414 नए मामले सामने आये थे जो अब तक का एक दिन का सर्वाधिक मामला है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में 22 मार्च को संक्रमितों का आंकड़ा 25 लाख को पार कर गया था जबकि 27 मार्च को यह 28 लाख को पार कर गया । अक्टूबर के बाद सबसे ज्यादा मरीजों की मौत अधिकारी ने बताया कि राज्य में 227 मरीजों की मौत हो गई। पिछले साल अक्टूबर के बाद से राज्य में मरने वालों की यह संख्या सबसे अधिक है। उन्होंने बताया कि इसके बाद प्रदेश में संक्रमण से मरने वालों की संख्या बढ़ कर 54,649 हो गई है। अधिकारी ने बताया कि 227 मौतों में से 129 मौत पिछले 48 घंटों में हुई है और 61 की मौत पिछले सप्ताह में हुई। उन्होंने बताया कि शेष 37 मरीजों की मौत पिछले सप्ताह से पहले हुई है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में बुधवार को कुल 23600 मरीजों को अलग-अलगअस्पतालों से ठीक होने के बाद छुट्टी दी गई। इसके बाद प्रदेश में ठीक होने वाले लोगों की संख्या 24 लाख से अधिक हो गई है। अधिकारी ने बताया कि प्रदेश में अब तक 24,00,727 लोग संक्रमण मुक्त हो चुके हैं और प्रदेश में एक्टिव मरीजों की संख्या 3,56,243 है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में 17,29,816 लोग घर में आइसोलेशन में हैं जबकि 17,863 संक्रमित इंस्टीट्यूशन आइसोलेशन में हैं ।

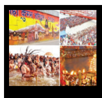

संपादकीय

संपादक: मुर्तुजा मामाजीवाला

टीकाकरण पर जोर दें

देश के कुछ राज्यों में कोविड-19 की नई लहर के गंभीर रूप लेते ही कई सख्त पाबंदियां फिर से लौट आई हैं, तो वहीं दूसरी तरफ, ऐसी भी खबरें आ रही हैं कि किसी-किसी राज्य में कोरोना की पर्याप्त जांच नहीं हो रही, और कहीं-कहीं अस्पतालों में बेड की कमी पड़ गई है। कल ही महाराष्ट्र के नागपुर के सरकारी अस्पताल की एक तस्वीर मीडिया में वायरल हुई थी, जिसमें एक ही बेड पर दो कोरोना मरीज लेटे हुए थे। दिल्ली में भी कुछ निजी अस्पतालों में आईसीयू के कम पड़ जाने के समाचार आ रहे हैं। यह स्थिति तब है, जब केंद्र समेत तमाम राज्य सरकारें कोरोना संक्रमण की नई लहर की आशंकाओं से वाकिफ थीं और वे इसे नियंत्रित करने को लेकर निरंतर सक्रिय भी रही हैं। पिछले एक साल में इसके मुतल्लिक स्वास्थ्य ढांचे में सुधार भी हुआ है, मगर कहीं न कहीं अब भी बेहतर तालमेल की जरूरत है। महाराष्ट्र में लगातार गंभीर होते हालात बता रहे हैं कि चुनौती कितनी मुश्किल है। वहां रोजाना के नए मामले 30 हजार के पार चले गए हैं। देश के कुल नए मामलों में आधा से अधिक अकेले महाराष्ट्र से सामने आ रहे हैं। कोई भी युद्ध यदि लंबा खिंच जाए, तो उसमें शामिल सेनाओं के थकने का अंदेशा गहराता जाता है। जंग में शामिल सेनाओं की एक रणनीति प्रतिपक्षी को थका डालने की भी होती है। लेकिन कोरोना से मोर्चा लेती सरकारों के पास ऐसा कोई विकल्प नहीं है, बल्कि उनकी जरा-सी उदासीनता या शिथिलता से लाभ की स्थिति में सिर्फ और सिर्फ वायरस होगा, जो न सिर्फ अलग-अलग क्षेत्रों को अपनी जद में समेटेगा, बल्कि नए-नए रूपों में भी लोगों की जान के लिए खतरा बनता रहेगा। पिछले एक साल में देश-दुनिया व इंसानियत ने कोरोना से काफी नुकसान उठाया है, इसलिए इससे लड़ाई में किसी किस्म की कोताही स्वीकार्य नहीं हो सकती। महाराष्ट्र सरकार कुछ और इलाकों में पूर्ण लॉकडाउन के विकल्प पर विचार कर रही है। लेकिन इसका कितना बड़ा नुकसान उठाना पड़ता है, राज्यों के कोषागार इसकी गवाही दे रहे हैं। इसलिए पूर्ण लॉकडाउन का विकल्प अंतिम ब्रह्मास्त्र होना चाहिए। इसके बजाय, अन्य तार्किक प्रयासों की जरूरत है। दुर्योग से इसी मोर्चे पर हम लगातार पिट रहे हैं।

कहां तक पहुंचाएंगी ये चिट्ठियां

पाकिस्तान ने फिर से दोस्ती का हाथ बढ़ाया है। वजीर-ए-आजम इमरान खान ने भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उस चिट्ठी का जवाब भेजा है, जो उन्होंने पाकिस्तान के ह्नेशनल डेह्न पर दस्तूर के मुताबिक लिखी थी। इमरान खान के खत की कई बातों की तारीफ की जा सकती है, लेकिन कुछ शब्दों से पाकिस्तान की मंशा उजागर होती है। मिसाल के तौर पर, पहले पैराग्राफ में ही इमरान खान ने लिखा है कि पाकिस्तान यह दिन इसलिए मनाता है, क्योंकि उसके संस्थापकों ने आजाद रहने के लिए एक खुदमुख्तार मुल्क की कल्पना की थी। इसका अर्थ है कि बांग्लादेश के निर्माण से जो ह्यदो राष्ट्र का सिद्धांतह्न गलत साबित हुआ था, उसे फिर से प्रासंगिक बनाने का उन्होंने प्रयास किया है। यानी, दिल की खटास उन्होंने शुरू में ही जाहिर कर दी। इसके अलावा,

मगर उसकी राह में दो अड़चनें हैं। पहली, आम अफगानी अवाम भारत को पसंद करता है, इसीलिए काबुल में नई दिल्ली की भूमिका अहम रही है। और दूसरी, अफगानिस्तान में सिर्फ पश्तून आबादी नहीं है, बल्कि आधी जनसंख्या गैर-पश्तूनों की है।

पुराना राग अलापते हुए उन्होंने लिखा है कि शांति व स्थिरता तभी आ सकती है, जब जम्मू-कश्मीर के विवाद (इसे पाकिस्तान पहले मुद्दा मानता था) का समाधान हो जाएगा। ये शब्द नौकरशाहों के हैं या राजनेताओं के, यह तो आने वाला वक्त बताएगा, लेकिन इस पहल का स्वागत करते हुए भी सवाल यही है कि नई शुरूआत आखिर पाकिस्तान क्यों कर रहा है? पिछले दिनों सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा ने भी पुरानी बातें भुलाकर नई राह बनाने की बात कही थी। हालांकि, इस तरह की पहल पूर्व में भी पाकिस्तानी फौज कर चुकी है, लेकिन इस बार कुछ खास वजहें हो सकती हैं। पहली, हाल के वर्षों में पाकिस्तानी सेना खुद को तानाशाह शासक न बनने देने की नीति पर आगे बढ़ी है, क्योंकि उसका मानना है कि ऐसा करने पर सारा दोष उसके ऊपर ही आ जाता है। याह्या खान, अयूब खान, जियाउल हक या फिर परवेज मुशर्रफ, सभी के शासनकाल में फौज इस आरोप को झेल चुकी है। मगर परदे के पीछे से सरकार चलाने का उसका भेद ज्यादा दिनों तक छिप न सका, और अब जगजाहिर है कि छोटे ओहदे से लेकर बड़े पदों तक, फौज ही देश चला रही है। इसीलिए वहां एक नारा बराबर गूंजता है- यह जो दहशतगर्दी है, इसके पीछे वरदी है। इसी सोच को बदलने के लिए वहां की जम्हूरी हुकूमत ने यह पैगाम भेजा है।

दूसरी वजह पाकिस्तान की विफल होती नीतियां हो सकती है। आलम यह है कि मुल्क में महंगाई चरम पर है। छोटी-छोटी चीजें भी आम आदमी की पहुंच से बाहर हैं। गरीबी बढ़ती जा रही है। गरीबों की संख्या लगातार बढ़ रही है। विश्व बैंक का आकलन है कि पाकिस्तान पर कर्ज उसके सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 94 फीसदी तक हो चुका है। इतना ही नहीं, पूर्व में भारी इमदाद देने वाले अमेरिका, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात जैसे मुल्क अब ऐसा करने से हिचकने लगे हैं। ले-देकर उम्मीद चीन से है, लेकिन उसकी कर्ज-नीति किसी से भी छिपी नहीं है। लिहाजा, पाकिस्तान खुद को चौतरफा घिरा पा रहा है। पैसे न होने पर सेना का भारी-भरकम बजट भी प्रभावित हो सकता है। इसी कारण, वह अपनी आयात-लागत कम करने की कोशिश में है। और यह तभी संभव है, जब पड़ोसी देशों से उसके अच्छे संबंध हों। भारत इस मामले में उसके लिए मददगार साबित हो सकता है, क्योंकि यूरोप और चीन से सामान मंगवाने की तुलना में उसे हिन्दुस्तान से आयात काफी सस्ता पडेगा।

तीसरा कारण अफगानिस्तान हो सकता है। पाकिस्तान को पता है कि अमेरिका किसी भी तरह से यहां से निकलना चाहता है। इसके बाद अगर अफगानिस्तान में तालिबान का राज स्थापित होता है, तो आईएसआई व फौज की मदद से पाकिस्तान वहां असरदांज हो सकता है। मगर उसकी राह में दो अड़चनें हैं। पहली, आम अफगानी अवाम भारत को पसंद करता है, इसीलिए काबुल में नई दिल्ली की भूमिका अहम रही है। और दूसरी, अफगानिस्तान में सिर्फ

घर-संसार

गुरुवार से होगा हरिद्वार कुंभ का शुभारंभ

हरिद्वार में गुरुवार से कुंभ मेले की विधिवत शुरूआत होगी। कोविड-19 संक्रमण के कारण इस बार कुंभ मेले की अवधि 30 दिन ही रहेगी। इस दौरान तीन शाही और दो पर्व स्नान होंगे। एक अप्रैल से संपूर्ण कुंभ मेला क्षेत्र मेला प्रशासन के अंतर्गत आ गया है। हरिद्वार से देवप्रयाग तक फैले करीब 670 हेक्टेयर के कुंभ मेला क्षेत्र की व्यवस्था और श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए करीब 12 हजार पुलिसकर्मियों और चार हजार अर्द्धसैनिक बलों की तैनाती की गई है। जबकि 200 चिकित्सकों, 1500 पैरा मेडिकल स्टाफ की तैनात के साथ 613 बेड के 38 छोटे-बड़े अस्थायी अस्पताल भी बनाए गए हैं। नैनीताल उच्च न्यायालय और राज्य सरकार की ओर से कुंभ मेला के लिए जारी एसओपी के अनुसार कुंभ मेला के दौरान हरिद्वार आने वाले सभी श्रद्धालुओं को कोविड-19 की 72 घंटे की आरटीपीसीआर जांच की निगेटिव रिपोर्ट लाना अनिवार्य है। इसके बिना किसी को भी हरिद्वार में प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। इसके लिए मेला अधिष्ठान ने बुधवार से ही सीमाओं पर जांच शुरू कर दी। बगैर जांच रिपोर्ट के हरिद्वार आने वाले श्रद्धालुओं को बार्डर से वापस भेजा जा रहा है। सभी चेक पोस्ट पर अर्द्ध सैनिक बलों की तैनाती की गई है। सीमा पर जांच केंद्र भी बनाए गए हैं दो अप्रैल से अखाड़ों में धर्मध्वजा लगाने और पेशवाई निकालने का दौर भी शुरू हो जाएगा। शाही स्नान 12, 14 और 27 अप्रैल को होंगे, जबकि पर्व स्नान 13 और 21 अप्रैल को होंगे। 12 और 14 अप्रैल को होने वाले शाही स्नान में निरंजनी अखाड़ा सबसे पहले स्नान करेगा। जबकि निर्मल अखाड़ा सबसे आखिर में स्नान करेगा। इन दोनों शाही स्नानों में सभी 13 अखाड़ों के संत-महात्मा और नागा संन्यासी पूरे वैभव के साथ स्नान करेंगे।

मुख्तार अंसारी पर POTA लगाने वाले पूर्व डिप्टी SP शैलेंद्र सिंह को बड़ी राहत,

लखनऊः उत्तर प्रदेश के बाहुबली विधायक मुख्तार अंसारी के खिलाफ वर्ष 2004 में पोटा लगाने वाले पूर्व डिप्टी एसपी शैलेंद्र सिंह को अदालत की तरफ से बड़ी राहत मिली है। अदालत ने उनके खिलाफ दर्ज मुकदमा वापस लेने के आदेश दिया है। मुकदमा वापसी के आदेश की कॉपी मंगलवार को शैलेंद्र सिंह को मिली, तो उन्होंने इंटरनेट मीडिया के जरिये यूपी सरकार का आभार जताया है। उन्होंने अपनी पोस्ट के साथ न्यायालय के आदेश की कॉपी अपलोड कर बताया है कि उनके खिलाफ सभी मुकदमे वापस ले लिए गए हैं। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने पूर्व डिप्टी एसपी शैलेंद्र सिंह के खिलाफ दर्ज मुकदमा वापस ले लिया है। वाराणसी के सीजेएम कोर्ट ने योगी सरकार के फैसले को मंजूरी दे दी है। इस फैसले के बाद

शैलेंद्र सिंह ने योगी सरकार को धन्यवाद कहा है। उन्होंने इंटरनेट मीडिया पर पोस्ट में लिखा है, ह्य2004 में जब मैंने माफिया मुख्तार अंसारी पर एलएमजी केस में पोटा लगा दिया था, तो मुख्तार को बचाने के लिए तत्कालीन सरकार ने मेरे ऊपर केस खत्म करने का दबाव बनाया, जिसे न मानने के फलस्वरूप मुझे डिप्टी एसपी पद से त्यागपत्र देना पड़ा था। पूर्व डिप्टी एसपी शैलेंद्र सिंह ने अपनी पोस्ट में आगे लिखा, ह्यइस घटना के कुछ महीने बाद ही तत्कालीन सरकार के इशारे पर, राजनीति से प्रेरित होकर मेरे ऊपर वाराणसी में आपराधिक मुकदमा लिखा गया और मुझे जेल में डाल दिया गया, लेकिन जब माननीय योगी जी की सरकार बनी तो, उक्त मुकदमे को प्राथमिकता के साथ वापस लेने का आदेश पारित किया गया, जिसे माननीय सीजेएम न्यायालय द्वारा 6 मार्च, 2021 को स्वीकृति प्रदान की गई। न्यायालय के आदेश की नकल आज ही प्राप्त हुई। मैं और मेरा परिवार योगी जी की इस सहृदयता का आजीवन ऋणी रहेगा।

बिहार कैबिनेट की बैठक में बंपर बहाली का फैसला

पटनाः होली के बाद बिहार कैबिनेट की पहली बैठक बुधवार को हुई। इसकी अध्यक्षता मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने की। इसमें 35 एजेंडों पर मुहर लगी। बैठक में पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग में 264 मत्स्य प्रसार पदाधिकारियों के पदों पर बंपर बहाली को स्वीकृति दी गई। बैठक में विभिन्न विभागों में 4503 पदों को स्वीकृति दी गई। साथ ही स्वीकृत वेतनमान वाले 2850 पदों का सृजन किया गया। पंचायत चुनाव के दौरान मौत पर सरकारी कर्मियों के परिवारों को तीन लाख का मुआवजा देने को भी स्वीकृति दी गई। साथ ही तीन जिलों में तीन निवेश को भी मंजूरी दी गई।मिली जानकारी के अनुसार बुधवार को बिहार कैबिनेट की हुई बैठक में मत्स्य प्रसार पदाधिकारी के पद के सृजन के प्रस्ताव को स्वीकृति दी गई। साथ ही पशु व मत्स्य संसाधन विभाग में बहाली मत्स्य विकास योजना के तहत 264 मत्स्य प्रसार पदाधिकारियों के पदों पर बहाली का फैसला किया गया।

योगी सरकार की बड़ी कार्रवाई :

भूमि आवंटन और धान खरीद धांधली में चकबंदी अधिकारी समेत 12 सस्पेंड

लखनऊ : मेरठ के ग्राम बिसौला में भूमि आवंटन में गड़बड़ी और लखीमपुर खीरी में धान खरीद में हुए घोटाले में प्रदेश सरकार ने बुधवार को बड़ी कार्रवाई की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर भूमि आवंटन मामले में बंदोबस्त अधिकारी चकबंदी राकेश कुमार, चकबंदी अधिकारी प्रभाकर और चकबंदी लेखपाल संजीव कुमार चौहान को निलंबित

सहकारिता विभाग के अपर मुख्य सचिव एमवीएस रामीरेड्डी ने बताया कि इस मामले में भी जो लोग दोषी होंगे, सभी के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। पूर्व एमएलसी दिनेश सिंह की शिकायत पर शासन ने इसकी जांच कराई। जांच में यह तथ्य सामने आया है कि इन सातों केंद्रों पर बड़ी संख्या में बिचौलियों व दलालों से धान की खरीद की गई।

कर दिया गया है। तीनों के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज होगी। वहीं, धान खरीद घोटाले में लखीमपुर खीरी के जिला प्रबंधक पीसीयू और जिला प्रबंधक पीसीएफ के साथ ही सात खरीद केंद्रों के प्रभारी निलंबित कर दिए गए हैं। खरीद केंद्र प्रभारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने के आदेश भी दिए गए हैं। प्रभाकर व संजीव कुमार चौहान के खिलाफ विभागीय कार्रवाई के लिए चकबंदी आयुक्त को निर्देश दिया गया है। बिसौला गांव में नियमों को ताक पर रखकर पारित चकबंदी अफसरों के आदेशों को तत्काल स्थगित करने का निर्देश मेरठ के डीएम को दिया गया है। राकेश कुमार को आरोप पत्र देकर विभागीय कार्यवाही की संस्तुति करते हुए मंडलायुक्त मेरठ को जांच अधिकारी नामित किया गया है। मेरठ के डीएम ने इस मामले में अनियमितता की जांच दो सदस्यीय समिति से कराई। इसमें बंदोबस्त अधिकारी चकबंदी मेरठ राकेश कुमार द्वारा वाद संख्या 256 262, 352, 353 व 556 राजेश सौंधी बनाम संगीता गुप्ता आदि को नियम विरुद्ध स्थानांतरित किया गया। इन्हीं विचाराधीन वादों को पुनः चकबंदी अधिकारी द्वितीय के न्यायालय में स्थानांतरित करने का आदेश पारित किया गया। स्थानांतरण प्रार्थना पत्र पर विचार करने से पहले न तो ग्राम सभा का पक्ष प्रस्तुत करने का अवसर दिया गया और न ही पीठासीन अधिकारी की रिपोर्ट प्राप्त की गई। चकबंदी अधिकारी मवाना मेरठ प्रभाकर द्वारा पारित आदेश 19 जुलाई 2008 को खारिज करते हुए

पंचायत चुनाव के दौरान कोरोना से कर्मी की मौत होने पर दिए जाएंगे 30 लाख रुपये, कैबिनेट बैठक में फैसला

पटनाः बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में बुधवार को राज्य कैबिनेट की बैठक हुई। इसमें 35 प्रस्ताव की स्वीकृति दी गई। बैठक में 5500 स्थाई पदों के सृजन की स्वीकृति दी गई है। वहीं व्यावसायिक वाहनों के फिटनेस प्रमाण पत्र के लिए 50 रुपये प्रतिदिन अतिरिक्त फीस को कम कर दिया गया है। इसके अलावा बैठक में यह फैसला हुआ कि पंचायत चुनाव के दौरान कोरोनावायरस से कर्मी की मौत होने पर उसके परिजनों को 30 लाख रुपये मिलेंगे। स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने बताया कि कोरोना से लड़ाई को लेकर 80 करोड़ रुपये की मंजूरी दी गई है। इससे कोरोना नियंत्रण को लेकर आवश्यक सामग्री की खरीद होगी।

कांग्रेसी नेता की हत्या पर वरिष्ठ नेता प्रमोद तिवारी आहत

स्वजनों को ढांढस बंधाया, कहा- एक करोड़ रुपये मुआवजा दे सरकार

प्रयागराजः प्रयागराज जिले में बेखौफ बदमाशों ने देर रात सनसनीखेज वारदात को अंजाम दिया। झूंसी के कनिहार गांव में यूथ कांग्रेस के फूलपुर लोकसभा इकाई के उपाध्यक्ष रहे मोहम्मद अकरम (30) को गोलियों से भून दिया गया। वारदात तब हुई जब अकरम रात 11 बजे के ही करीब गांव में ही मस्जिद के पास स्थित दुकान पर जा रहे थे। बुधवार को कांग्रेस नेता अकरम के पोस्टमार्टम के दौरान स्वरूपरानी अस्पताल पहुंचे अखिल भारतीय कांग्रेस कार्य समिति सदस्य प्रमोद तिवारी ने मृतक के पिता रफीक और छोटे भाई गुलजार से मिलकर अकरम की हत्या पर दुख प्रकट किया। पोस्टमार्टम के दौरान काफी संख्या में कांग्रेस

कार्यकर्ता भी मौजूद रहे। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रमोद तिवारी ने स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल (एसआरएन) में अकरम के परिवार वालों के समक्ष हत्यारों की जल्द गिरफ्तारी की मांग भी की। उन्होंने कहा कि योगी सरकार की लच्चर कानून व्यवस्था के कारण प्रदेश में अपराध पर नियंत्रण नहीं है। कहा कि यूपी में रामराज नहीं जंगलराज है। इस दौरान प्रमोद तिवारी ने सरकार से पीड़ित के परिवार को एक करोड़ रुपये मुआवजा देने की मांग की। प्रमोद तिवारी ने कहा कि अकरम कांग्रेस के निष्ठावान कार्यकर्ता थे। उनकी हत्या पर पूरी कांग्रेस पार्टी दुखी है और ऐसी परिस्थिति में उनके परिवार के साथ खड़ी है। इस दौरान अनिल पांडेय, जीशान अहमद, जावेद उर्फी, दीपचंद्र शर्मा, महेश त्रिपाठी, सिब्बतैन बब्लू, निजामुद्दीन, जितेंद्र तिवारी, मोहम्मद हसीन, शकील अहमद समेत आदि कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

प्रेम परमात्मा का प्रकटिकरण है।

रैदास–आकाश में ध्रुवतारा`भारत का आकाश संतों के सितारों से भरा है। अनंत-अनंत सितारे है, यद्यपि ज्योति सबकी एक है। संत रैदास उन सब सितारों में ध्रुवतारा है। इसलिए कि शूद्र के घर में पैदा होकर भी काशी के पंडितों को भी मजबूर कर दिया स्वीकार करने को। महावीर का उल्लेख नहीं किया ब्राह्मणों ने अपने शास्त्रों में। बुद्ध की जड़ें काट डाली। बुद्ध के विचार को उखाड़ फेंका। लेकिन रैदास में कुछ बात है कि रैदास को नहीं उखाड़ सके और रैदास को स्वीकार भी करना पड़ा। ब्राह्मणों के द्वारा लिखी गई संतों की स्मृतियों में रैदास सदा स्मरण किए गए। चमार के घर में पैदा होकर भी ब्राह्मणों ने स्वीकार किया–वह भी काशी के ब्राह्मणोंने, रैदास की बात कुछ अनोखी है, अनूठे है। रैदास में कुछ रस है, कुछ सुगंध है–जो मदहोश कर दे। रैदास से बहती है कोई शराब, कि जिसने पी वही डोला। और रैदास अड्डा जमा कर बैठ काशी में, जहां की सबसे कम संभावना है; जहां का पंडित पाषाण हो चुका है। सदियों का पांडित्य व्यक्तियों के ह्रदयों को मार डालता है। उनकी आत्मा को जड़ कर देता है। रैदास वहां खिले, फूले। रैदास ने वहां हजारों भक्तों को इकट्ठा कर लिया। और छोटे-मोटे भक्त नहीं, मीरा जैसी अनुभूति को उपलब्ध महिला ने भी रैदास को गुरू माना। मीरा ने कहां है: गुरु मिल्या रैदास जी, कि मुझे गुरु मिलगया है रैदास जी।

एक चम्मच सेब का सिरका कम कर सकता है पेट की चर्बी

उपयोग हजारों वर्षों से एक स्वास्थ्य टॉनिक के रूप में किया जाता रहा है। कई शोधों से पता चलता है कि इसके कई स्वास्थ्य लाभ हैं। लेकिन क्या आप जानती हैं कि एप्पल साइडर विनेगर को अपने आहार में शामिल करने से आपको वजन कम करने में भी मदद मिल सकती है? सोच रही हैं कैसे? तो चलिए हम आपको बताते हैं।यहां हम आपको बता रहे हैं कि एप्पल साइडर विनेगर को डाइट में शामिल करने से आपकी वेट लॉस जर्नी कैसे आसान हो सकती है। एप्पल साइडर विनेगर का मुख्य सक्रिय घटक एसिटिक एसिड है। इसे एथेनोइक एसिड के रूप में भी जाना जाता है। यह एक खट्टे स्वाद और मजबूत गंध का एक कार्बनिक यौगिक है। एप्पल साइडर विनेगर के लगभग 5-6% में एसिटिक एसिड होता है। इसमें पानी और अन्य एसिड की मात्रा भी होती है, जैसे मैलिक एसिड। एप्पल साइडर विनेगर के एक चम्मच) में लगभग 3 कैलोरी होती हैं और वस्तुतः कोई कार्ब नहीं होता। एसिटिक एसिड एक शॉर्ट-चेन फैटी एसिड होता है, जो आपके शरीर में एसीटेट और हाइड्रोजन में घुल जाता है। कुछ अध्ययनों से पता चलता है कि एप्पल साइडर विनेगर में एसिटिक एसिड कई तरीकों से वजन घटाने को बढ़ावा दे सकता है: चूहों पर हुए एक अध्ययन में, एसिटिक एसिड ने रक्त से चीनी लेने के लिए लीवर और मांसपेशियों की क्षमता में सुधार किया।एक अध्ययन में, एसिटिक एसिड ने ग्लूकागन के लिए इंसुलिन के अनुपात को भी कम कर दिया, जो वसा जलाने में मदद कर सकता है। एसिटिक एसिड के संपर्क में आने वाले चूहों के एक अन्य अध्ययन में एंजाइम एएमपीके में वृद्धि देखी गई, जो वसा जालने को बढ़ावा देता है और लीवर में वसा और चीनी के उत्पादन को कम करता है मोटापे को ट्रीट करने के लिए, एसिटिक एसिड या एसीटेट ने डायबिटीज वाले चूहों में, उनका वजन बढ़ने से बचाया और पेट की वसा भंडारण और लीवर की वसा को कम करने वाले जीन की अभिव्यक्ति को बढ़ाया।एक अन्य अध्ययन से पता चलता है कि एसीटेट आपके मस्तिष्क के केंद्रों को दबा सकता है, जो भूख को नियंत्रित करते हैं

तेरे दिल में 2, विकी कौशल और कृति सनन को लेकर बनाया जा सकता है सीक्वल

नई दिल्ली: दीया मिर्जा और आर. माधवन की लोकप्रिय फिल्म ह्यरहना है तेरे दिल में के सीक्वल की खबर आ रही है' कहा जा रहा है कि इस फिल्म के सीक्वल में विकी कौशल और कृति सनन नजर आ सकते हैं' आर. माधवन की फिल्म अपने जमाने की लोकप्रिय फिल्म थी' इस फिल्म के गाने आज भी लोगों को याद है' फिल्म अभिनेता और निमार्ता जैकी भगनानी इस फिल्म का अगला भाग बनाने के लिए उत्साहित है'अब खबरों की मानें तो विकी कौशल और कृति सनन को निमार्ता ने फिल्म ह्यरहना है तेरे दिल में 2 के लिए अप्रोच किया है' यह भी कहा जाता था कि जैकी भगनानी फिल्म के असली कास्ट के साथ काम करना चाहते थे लेकिन अब वह नए चेहरों के साथ फिल्म का अगला भाग बनाना चाहते है' सूत्रों ने पिंकविला को बताया कि निमार्ता फिल्म के लिए अच्छी कास्टिंग चाहते थे' इसके चलते कास्टिंग डायरेक्टर ने कृति सनन और विकी कौशल का नाम सुझाया है' अब अब दोनों भी अभिनेता यह फिल्म करने के लिए तैयार है' फिल्म से जुड़ी बाकी की तैयारियां की जा रही है' फिल्म की शूटिंग 2022 के अंत में शुरू हो सकती है' साथ ही फिल्म से जुड़े पेपर वर्क किए जा रहे हैं' कहा जा रहा है कि फिल्म मॉम के निर्देशक रवि फिल्म का निर्देशन कर सकते हैं'.

सुरेश रैना ने महेंद्र सिंह धोनी के साथ शेयर की फोटो, लिखा दिल छू लेने वाले मैसेज

नई दिल्ली : सुरेश रैना और महेंद्र सिंह धोनी का याराना काफी पुराना है। दोनों एक दूसरे के काफी अच्छे दोस्त माने जाते हैं। धोनी के रिटायरमेंट के दिन ही रैना ने भी इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास का ऐलान कर दिया था। भले ही धोनी और रैना भारतीय टीम की तरफ से एकसाथ खेलते हुए अब नजर नहीं आते हों, लेकिन यह जोड़ी आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए साथ खेलती हुई दिखाई देती है। इसी बीच, रैना ने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर करते हुए धोनी के लिए खास मैसेज लिखा है। रैना ने अपने इंस्टाग्राम पर एक फोटो शेयर की है, जिसमें वह धोनी के साथ बैट को लेकर खड़े हुए नजर आ रहे हैं। तस्वीर को देखकर ऐसा लग रहा है कि वह बैट को लेकर कुछ बातचीत कर रहे हैं। रैना ने फोटो शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, ह्यहमेशा आंख से आंख मिलाकर नहीं, लेकिन हमेशा दिल से दिल तक।ह्ण रैना का यह पोस्ट सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है और फैन्स इस जोड़ी से आईपीएल 2021 में दमदार प्रदर्शन की उम्मीद कर रहे हैं। माइक हेसन ने बताया, क्꠰छ 2021 में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के यह तीन अनकैप्ड खिलाड़ी मचा सकते हैं धमाल सुरेश रैना आईपीएल 2020 के लिए चेन्नई सुपर किंग्स की टीम के साथ गए थे, लेकिन निजी कारणों के चलते वह बिना कोई मैच खेले ही भारत लौट आए थे। जिसके बाद यह भी अफवाहें उड़ी थी कि धोनी और रैना के बीच में सबकुछ ठीक नहीं है। हालांकि, रैना ने बाद में इस अफवाहों पर विराम लगा दिया था। रैना का प्रदर्शन आईपीएल में काफी शानदार रहा है और वह टूनार्मेंट में सर्वाधिक रन बनाने की लिस्ट में विराट कोहली के बाद दूसरे नंबर पर मौजूद हैं।

ऋषभ पंत को लेकर मोहम्मद अजहरुद्दीन का बड़ा बयान

भविष्य में टीम इंडिया के बने कप्तान तो नहीं होगी कोई हैरानी

नई दिल्ली : भारत के पूर्व कप्तान मोहम्मद अजहरूद्दीन ने ऋषभ पंत को लेकर बड़ा बयान दिया है। अजहरूद्दीन ने कहा कि उनको बिल्कुल भी हैरानी नहीं होगी अगर सिलेक्टर पंत को भविष्य में कप्तान बनाने की रेस में सबसे आगे देखते हैं तो। पूर्व कप्तान ने विकेटकीपर बल्लेबाज की जमकर तारीफ करते हुए कहा कि वह तीनों ही फॉर्मेट में खुद को स्थापित करते जा रहे हैं। आईपीएल 2021 के लिए दिल्ली कैपिटल्स की टीम ने ऋषभ पंत को कप्तान नियुक्त किया है। मोहम्मद अजहरूद्दीन ने अपने ट्विटर पर लिखा, ह्यऋषभ पंत के लिए पिछले कुछ महीने बेहद शानदार रहे हैं, वह खुद को सभी फॉर्मेट में स्थापित कर रहा है। यह मेरे लिए कोई भी सरप्राइज नहीं होगा अगर सिलेक्टर आने वाले भविष्य में उनको कप्तानी की रेस में सबसे आगे देखेंगे तो। उनकी अटैकिंग क्रिकेट भारत को आने वाले समय में अच्छी जगह पर खड़ा कर सकती है। श्रेयस अय्यर के चोटिल होकर आईपीएल 2021 से बाहर होने के बाद दिल्ली कैपिटल्स की टीम ने पंत को अपना नया कप्तान बनाया है। पंत दिल्ली की टीम की तरफ से पिछले कई सीजन से खेल रहे हैं और उनका प्रदर्शन भी काफी शानदार रहा है। पंत ने पहले ऑस्ट्रेलिया दौरे पर और फिर इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज में बल्ले से लाजवाब प्रदर्शन किया था।

टेस्ट के तीसरे दिन बारिश ने डाला खलल, मजबूत स्थिति में वेस्टइंडीज

नई दिल्ली : वेस्टइंडीज और श्रीलंका के बीच खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच के तीसरे दिन बारिश के खलल के चलते महज 40.3 ओवर का खेल हो सका । श्रीलंका की टीम ने दिन का खेल खत्म होने तक 8 विकेट गंवाकर 250 रन बना लिए हैं। वह कैरेबियाई टीम से अभी भी 104 रन पीछे है। श्रीलंकाई टीम की तरफ से पाथुम निसांका 49 रन बनाकर क्रीज पर डटे हुए हैं। वेस्टइंडीज की तरफ से जेसन होल्डर और अल्जारी जोसेफ ने अबतक दो-दो विकेट अपने नाम किए हैं।श्रीलंका की तरफ से सुबह दिनेश चंदीमल (44) और धनंजय डिसिल्वा (39) ने पारी आगे बढ़ाई, लेकिन ये दोनों अपनी पारियों को लंबी नहीं खींच सके। चंदीमल को दिन के पहले ओवर में ही जीवनदान मिला लेकिन वह इसका लाभ नहीं उठा पाए। शैनोन गैब्रियल की गेंद पर स्थानापन्न क्षेत्ररक्षक हेडन वाल्स ने उनका कैच लिया।

माइक हेसन ने बताया, IPL 2021 में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के ये तीन अनकैप्ड खिलाड़ी मचा सकते हैं धमाल

नई दिल्ली : वीरॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर की टीम में हमेशा ही सुपरस्टार खिलाड़ियों की कोई कमी नहीं रही है। टीम के पास विराट कोहली, एबी डिविलियर्स, ग्लेन मैक्सवेल जैसे धाकड़ प्लेयर्स इस सीजन भी उपलब्ध हैं, जबकि आरोन फिंच, डेल स्टेन जैसे टी-20 स्पेशलिस्ट खिलाड़ी भी इस टीम का हिस्सा रहे चुके हैं। आरसीबी की टीम की तरफ से कई युवा खिलाड़ी भी सीजन दर सीजन सामने आए हैं, जिन्होंने अपनी नई पहचान हासिल की है। नदप सैनी, वॉशिंगटन सुंदर, देवदत्त पडीक्कल जैसे खिलाड़ियों ने इस टीम की तरफ से तरफ से खेलते हुए अपनी काबिलियत पूरे विश्व क्रिकेट को बताई है। इसी बीच, आरसीबी

के क्रिकेट डायरेक्टर ने आईपीएल 2021 के लिए उन तीन अनकैप्ड प्लेयर्स के नाम बताए हैं, जो इस सीजन अपनी प्रदर्शन से छाप छोड़ सकते हैं। मध्यप्रदेश के इस खिलाड़ी ने सैयद मुश्ताक अली टूनार्मेंट में अपने प्रदर्शन से सभी का ध्यान अपनी तरफ खींचा था। रजत ने 51 गेंदों में 96 रनों की तूफानी पारी खेली थी, जबकि उन्होंने इसी सीजन महज 29 गेंदों में 68 रनों की आतिशी पारी भी खेली थी। रजत की खासियत यह है कि वह बीच के ओवरों में आकर बड़े शॉट्स लगाने का दमखम रखते हैं और उनका स्ट्राइक रेट भी काफी कमाल का रहता है। माइक हेसन ने रजत के लिए कहा, ह्ययह रजत का पहला आईपीएल है। वह 27 साल के हैं और फर्स्ट क्लास क्रिकेट को अच्छे से समझते हैं। वह एक टॉप क्वॉलिटी के बल्लेबाज हैं। उन्होंने सैयद मुश्ताक अली और विजय हजारे दोनों में ही जबर्दस्त प्रदर्शन किया था। इनके खेल को हम पिछले दो साल से देख रहे थे। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में अपनी 137 रनों की पारी से धूम मचाने वाले अजहरूदीन को भरोसा है कि केरल का यह बल्लेबाज इस सीजन दमदार प्रदर्शन करेगा। अजहरूद्दीन ने मुंबई के खिलाफ खेलते हुए महज 54 गेंदों में 137 रनों की नाबाद पारी खेली थी। इस इनिंग के दौरान उन्होंने 11 छक्के लगाए थे। हेसन ने अजहरूद्दीन के लिए कहा, ह्यमोहम्मद अजहरूद्दीन दूसरे बल्लेबाज हैं। वह लाजवाब हैं, बिल्कुल वह सैयद मुश्ताक अली टूनार्मेंट में मुंबई के खिलाफ सेंचुरी लगाकर लाइमलाइट में आए थे।

शरद पवार की हुई सफल सर्जरी, गॉल-ब्लेडर में थी पथरी की समस्या

मुंबई: राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के अध्यक्ष शरद पवार के गॉल-ब्लेडर से पथरी निकालने के लिए बुधवार तड़के सर्जरी की गई, जो कि सफल रही। सर्जरी ब्रीच कैंडी अस्पताल में की गई, जहां उन्हें पेट में दर्द की शिकायत के बाद मंगलवार को भर्ती कराया गया था। सुप्रिया सुले ने अपने पिता की एक फोटो ट्वीट की है, जिसमें वह हॉस्पिटल गाउन में आराम से बैठकर अखबार पढ़ रहे हैं। अपनी खुशनुमा पोस्ट में सुले ने लिखा, गुड मॉर्निंग! ब्रीच कैंडी अस्पताल के सभी डॉक्टरों, नर्सों और पूरी टीम को धन्यवाद! पवार साहब वही कर रहे हैं जो उन्हें सबसे ज्यादा पसंद है यानि कि सुबह अखबार पढ़ना! 80 वर्षीय पवार को एंडोस्कोपी और सर्जरी के लिए आज (31 मार्च) को अस्पताल में भर्ती होना था, लेकिन तकलीफ के चलते मंगलवार को ही उन्हें भर्ती करना पड़ा। गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट और एंडोस्कोपी विशेषज्ञ अमित मेदेव के नेतृत्व में डॉक्टरों ने सर्जरी करके पथरी निकाली। इस दौरान पवार की बेटी और बारामती सेसांसद सुप्रिया सुले, उनके भतीजे और उप-मुख्यमंत्री अजीत पवार, परिजन विधायक रोहित पवार समेत कई नेता अस्पताल में मौजूद रहे।ऑपरेशन के बाद स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे ने कहा, ऑपरेशन के बाद पवार साहब अच्छे हैं। गॉल-ब्लेडर से पथरी को सफलतापूर्वक निकाल दिया गया है।

वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे, राकांपा और कांग्रेस के नेताओं, भारत रत्न लता मंगेशकर और अन्य लोगों ने सोमवार को पवार से बात करके उनकी सेहत के बारे में पूछा था। साथ ही उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की थी।

हाइकोर्ट में परमबीर सिंह की फजीहत जज ने पूछा

'आपने देशमुख के खिलाफ एफआईआर क्यों नहीं दर्ज करवाई

मुंबई: मुंबई के पूर्व पुलिस कमिश्नर परमबीर सिंह द्वारा गृहमंत्री अनिल देशमुख के खिलाफ बॉम्बे हाई कोर्ट में दायर याचिका पर बुधवार को सुनवाई हुई। आपको बता दें कि सिंह से देशमुख के खिलाफ सीबीआई जांच की मांग की थी। इस बात पर अदालत ने परमबीर सिंह को जमकर लताड़ा है। अदालत

ने सिंह से पूछा कि आपने अनिल देशमुख के खिलाफ एफआईआर दर्ज क्यों नहीं करवाई। क्या आपको नहीं पता कि किसी भी जांच के पहले एफआईआर दर्ज होना जरूरी होता है। बिना एफआईआर के सीबीआई जांच कैसे कराई जा सकती है।

पुलिस कमिश्नर रहते हुए भी ऐसी गलती

उच्च न्यायालय ने सिंह से लताड़ते हुए कहा कि आप पुलिस कमिश्नर हैं। आपके लिए कानून अलग नहीं हो सकता है।

महाराष्ट्र में मार्च में बढ़े कोरोना के 6.5 लाख मरीज

मुंबई: महाराष्ट्र में हाल के दिनों में कोरोना के बेकाबू होने का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि अकेले मार्च महीने में ही राज्य में 6,51,513 मामले सामने आए। जबकि बीते अक्टूबर से फरवरी के बीच कुल पांच महीनों में 7,38, 377 मामले सामने आए थे। संक्रमण के मामले अचानक बढ़ने का मुख्य कारण यही है कि लोग कोरोना गाइडलाइंस का पालन नहीं कर रहे हैं। लोग न तो आपस में उचित शारीरिक दूरी रख रहे हैं और न ही मास्क पहन रहे हैं। कोरोना के बढ़ते मामलों से चिंतित राज्य के अधिकारी और मंत्री मास्क न पहनने वालों पर अर्थदंड बढ़ाए जाने पर विचार कर रहे हैं। कोरोना को लेकर गठित टास्कफोर्स टीम के एक सदस्य का कहना है कि सरकार इस मामले में बहुत सख्ती नहीं करना चाहती है लेकिन जुमार्ना बढ़ाए जाने से लोगों पर कुछ दबाव रहेगा।

हालांकि स्वास्थ्य टीम के एक वरिष्ठ सदस्य का कहना है कि आम लोगों पर एक सीमा के बाद दबाव नहीं बनाया जा सकता। राज्य में निम्न आय वर्ग के श्रमिक काम करने के लिए बाहर जाने को बेताब हैं। यही स्थिति सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों से जुड़े श्रमिकों की है। हम उन्हें बाहर निकलने से नहीं रोक सकते। उन्हें अगर बार-बार हाथ धोने के लिए कहा जाता है तो वे चिढ़चिढ़ाने लगते हैं।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक संपादक – मुर्तुजा मामाजीवाला के द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, युनिट नं. 4, ग्राउंड फ्लोअर, एन. के इंडस्ट्रिअल इस्टेट , ऑफ आरे रोड , प्रवासी इंडस्ट्रिअल इस्टेट के पास , गेट नं. 2, गोरेगाव (पूर्व),मुंबई - 400063 से मुद्रित कर शिव वातुक सेना कासिम नगर नियर लक्ष्मी इस्टेट न्यू लिंक रोड, अंधेरी (प),मुंबई -400053 प्रकाशित। संपादक : मुर्तुजा मामाजीवाला मों. 9819199997
T.C. NO. MAHHIN10172 ■ ईमेल: newsicon2021@gmail.com ■ newsicon.net